# Sri Shiva Gadyam – Sanatkumara – Shiva Puranam

# ॥ श्रीशिव गद्यं - शिव पुराणम्॥

The following **Sri Shiva Gadyam** (hymn in prose form) is from **Shiva Mahapuranam**, **Rudra Samhita**, **Yuddha Khanda**, **Chapter 49**. The hymn was created by **Sage Sanatkumra**. This hymn is followed by a very rare **Shiva Ashtottaram** (to be furnished separately).

सनत्कुमार उवाच -

ॐ नमस्ते देवेशाय - सुराऽसुर नमस्कृताय - भूत भव्य महादेवाय - हरित पिङ्गल लोचनाय - बलाय - बुद्धि रूपिणे - वैयाघ्र वसनच्छदायारणेयाय - त्रिलोक्य प्रभवे - ईश्वराय - हराय - हरि नेत्राय - युगान्त करणा ऽ नलाय - गणेशाय - लोक पालाय - महाभुजाय - महाहस्ताय - शूलिने - महादंष्ट्रिणे - कालाय - महेश्वराय - अव्ययाय - कालरूपिणे - नीलग्रीवाय - महोदराय - गणाध्यक्षाय - सर्वात्मने - सर्व भावनाय - सर्वगाय - मृत्यु हन्त्रे - परियात्र सुव्रताय - ब्रह्मचारिणे - वेदान्तगाय - तपोन्तकाय - पशुपतये - व्यङ्गाय - शूल पाणये - वृष केतवे - हरये - जटिने - शिखण्डिने - लकुटिने - महायशसे - भूतेश्वराय - गुहावासिने - वीणापणवतालवते - अमराय - दर्शनीयाय - बाल सूर्य निभाय - श्मशान वासिने - भगवते - उमा पतये - अरिन्दमाय - भगस्याक्षिपातिने - पूष्णो दशन नाशनाय - क्रूर कर्तकाय - पाश हस्ताय - प्रलय कालाय - उल्मुखाया ऽ ग्नि केतवे - मुनये - दीप्ताय - विशां पतये - उन्नयते जनकाय - चतुर्थकाय - लोक सत्तमाय - वामदेवाय - वाग् दाक्षिण्याय - वामतो भिक्षवे - भिक्षु रूपिणे - जटिने - स्वयं जटिलाय - शक्र हस्त प्रतिस्तम्भकाय - वसूनां स्तम्भकाय - क्रतवे - क्रतु कराय - कालाय - मेधाविने - मधुकराय - चलाय - वानस्पत्याय - वाजसनेति समाश्रम पूजिताय - जगद् धात्रे - जगत् कर्त्रे - पुरुषाय - शाश्वताय - ध्रुवाय - धर्माध्यक्षाय - त्रिवर्त्मने - भूत भावनाय - त्रिनेत्राय - बहु रूपाय - सूर्याऽयुत सम प्रभाय - देवाय - सर्व तूर्य निनादिने - सर्व बाधा विमोचनाय - बन्धनाय - सर्व धारिणे - धर्मोत्तमाय - पुष्प दन्तायाऽपिभागाय - मुखाय - सर्व हराय - हिरण्य श्रवसे - द्वारिणे - भीमाय - भीम पराक्रमाय ॐ नमो नमः॥

---

**॥ इति श्रीशिव महा पुराणे रुद्र संहितायां युद्ध खण्डे**
**श्रीसनत्कुमार कृत श्रीशिव गद्यं सम्पूर्णम्॥**

K. Muralidharan (*kmurali_sg@yahoo.com*)